

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra



FIXED
PRICE

ORDER NOW:

- | | | | | | | |
|----------------------|------------------------|------------|--------------|--------------------|----------------------|---------------|
| • शरबती सुपीरियर आटा | • शरबती गेहूँ | • जीरा | • काबुली चना | • मूंग दाल | • उड़द दाल (छिलका) | • काजू |
| • देशी चक्की आटा | • देशी गेहूँ | • सौंफ | • हरा मूंग | • मूंग दाल (छिलका) | • राजमा चित्रा | • पिस्ता |
| • सूजी | • लाकाडोंग हल्दी पाउडर | • चना दाल | • हरा मटर | • मोठ | • राजमा लाल | • किशमिश |
| • दलिया | • मिर्च पाउडर | • काला चना | • मसूर मलका | • अरहर/तूर दाल | • राजमा कश्मीरी | • अखरोट |
| • बेसन | • धनिया पाउडर | • हरा चना | • मसूर दाल | • उड़द दाल | • कैलिफोर्निया बादाम | • मामरा बादाम |

COMING SOON:

चावल | कुकिंग ऑयल | खड़े मसाले | चाय

ORDER ON
WEBSITE



ORDER ON
WHATSAPP



ORDER ON
APP



एक्सप्रेस डिलीवरी सिर्फ एक कॉल पर
1800 120 2727

T&C Apply.

नजदीकी रिटेल स्टोर पर उपलब्ध !



राष्ट्रदूत

Metro

Rashtrdoot

THE SOUL OF THE ROSE

Waterhouse's title is loosely derived from Chaucer's dream poem, *The Romaunt of the Rose*, adapted from the 13th Century French romance: *Roman de la Rose* by Guillaume de Lorris

Don't Burn It, Use It!

The Logical Loose Sometimes

The Fatal Logic of the Physicist: A Cautionary Tale of Last Words

कांग्रेस की अव्यवस्था कहीं भारी न पड़ जाए, महागठबंधन की उम्मीदों पर

पिछले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के कारण तेजस्वी का मुख्यमंत्री बनने का सपना टूट गया था

- रेणु मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली 31 अक्टूबर। बिहार में कांग्रेस पूरी तरह से दिशाहीन और बिखरी हुई नजर आ रही है। पार्टी चुनाव प्रचार की कोई ठोस रणनीति नहीं बना पा रही। और बुरी तरह लड़खड़ा रही है। यह आशांका जताई जा रही है कि कांग्रेस की नाकामी एक बार फिर महागठबंधन की सीटों को कम कर देगी, जैसे पिछले विधानसभा चुनाव में हुआ था, जब कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के कारण तेजस्वी यादव की मुख्यमंत्री बनने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा था।

- राहुल गांधी के खासमखास, महारथी कृष्णा अल्लूवेरा तो अपनी अकड़ में गठबंधन ही तोड़ देने वाले थे।
- इसके बाद हालात संभालने के लिए एक और महारथी, अशोक गहलोत को भेजा गया, जो हालात ठीक करने की बजाय तेजस्वी के सामने पूरी तरह से झुक गए।
- अब आए हैं, अविनाश पांडे, जिनकी स्थिति एक असफल प्रभारी की है। राजस्थान में कांग्रेस की बजाय वे गहलोत के लिए काम करते रहे, यही नहीं, तत्कालीन हेल्थ मिनिस्टर के साथ व्यावसायिक हित भी साधा था।
- सार यह है, कि बिहार में कांग्रेस संगठन इस कदर बदहाल हैं कि महागठबंधन के घटक दलों, खासकर आरजेडी में डर है कि कहीं कांग्रेस के कारण फिर से लुटिया न डूब जाए।

गठबंधन में संतुलन नहीं बना सके। अब वेणुगोपाल ने अविनाश पांडे को बिहार भेजा है, ताकि वे चुनाव अभियान को संभालें, तेजस्वी पर नजर रखें और गठबंधन में तालमेल बनाए रखें। अविनाश पांडे नियंत्रण कक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे और राहुल गांधी व तेजस्वी यादव की संयुक्त रैलियों का समन्वय करेंगे। वे तेजस्वी से सीधा

संपर्क बनाए रखेंगे, क्योंकि अल्लूवेरा अब पूरी तरह हाथिए पर जा चुके हैं। चुनाव प्रबन्धन में राहुल गांधी की युवा टीम के असफल रहने के बाद वेणुगोपाल वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतार रहे हैं, ताकि स्थिति संभाली जा सके। लेकिन अविनाश पांडे का रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा नहीं रहा है। राजस्थान में प्रभारी रहते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री

अब हाई कोर्ट को बम से उड़ाने का ई-मेल आया

जयपुर, 31 अक्टूबर। सेशन कोर्ट में बम ब्लास्ट की दो बार धमकी देने के बाद, इस बार राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। हाईकोर्ट प्रशासन के आधिकारिक मेल आईडी पर यह मेल भेजा गया। हालांकि हर बार को तरह पुलिस को तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और यह सिर्फ धमकी निकली।

जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट में जजों की ओर से मुकदमों की सुनवाई आरंभ करने के दौरान हाईकोर्ट प्रशासन को मेल की जानकारी मिली। प्रशासन ने

- पुलिस ने पूरा परिसर खाली कराकर सघन चेंकिंग की। कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

तुरंत इसकी सूचना कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सहित अन्य सभी जजों और कर्मचारियों को दी और पुलिस प्रशासन को भी सूचना भेजी गई। जजों ने तुरंत मुकदमों की सुनवाई बंद कर दी और कोर्ट रूम छोड़ दिया। दूसरी ओर पुलिस की विभिन्न एजेंसियों के आलाधिकारी, बम निरोधक दस्ता, ड्राग स्क्वाड भी मौके पर पहुंचे। बम निरोधक दस्ते और ड्राग स्क्वाड ने हाईकोर्ट के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली, लेकिन कहीं कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। वहीं पुलिस आईपी एड्रेस के जरिए भी ई-भेज भेजने वाले का पता लगा रही है। मेल में कहा गया है कि तमिलनाडु में कुछ पत्रकारों (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश कुमार की 26 सैकेंड की उपस्थिति ज्यादा चर्चित रही

- श्रीनंद झा -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। जिस दिन एनडीए ने अपना साझा घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें एक करोड़ नौकरियों, एक करोड़ लक्ष्यपति दीदियों और कृषि के लिए एक लाख करोड़ रुपये की घोषणा की गई, उस दिन सुबिचों में रहा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का घोषणा पत्र जारी करने के कार्यक्रम में बेहद कम समय के लिए उपस्थित रहना और पत्रकारों के सवालों का जवाब दिए बिना वहाँ से चले जाना। एनडीए खेमे में सबसे बड़ा सवाल अब भी यही है कि चुनाव में जीत की स्थिति में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखने को लेकर भाजपा का रुख आखिर क्या होगा।

घोषणा पत्र जारी करने के कार्यक्रम में नीतीश कुमार की बेहद अल्प मौजूदगी ने इस अटकल को और मजबूत कर दिया कि वे एनडीए के संयुक्त कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के इच्छुक नहीं हैं। इससे विपक्ष को भी यह कहने का मौका मिला कि भाजपा और जदयू के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। कांग्रेस ने नीतीश कुमार की 26 सेकेंड की मौजूदगी को यह कहकर तूल दिया कि मुख्यमंत्री ने अपमानित महसूस किया। बिहार पर्यवेक्षक फैजान अहमद के अनुसार, भाजपा नेता कहते

हालांकि घोषणा पत्र में कई मनलुभावन वादे किए गए थे

- घोषणा पत्र की बारीकियाँ समझाने की जिम्मेवारी उपमुख्यमंत्री व भाजपा नेता सम्राट चौधरी को पूरी करनी पड़ी।
- घोषणा पत्र में एनडीए ने सात एक्सप्रेसवे, छत्तीस सौ किलोमीटर रेल लाईन व पटना, दरभंगा, पूर्णिया को अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए उपयुक्त बनाने का वादा किया है।
- इसी प्रकार दस नये इण्डस्ट्रियल पार्क हर जिले में, सौ एमएसएमई हब्स व पचास हजार कुटीर उद्योग लगाने की बात की गई है।
- घोषणा पत्र में एक लाख करोड़ रूपए की लागत से कृषि क्षेत्र में तथा हर फसल के लिए न्यूनतम एमएसपी की बात भी कही गई है।

तो है कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है, लेकिन कोई यह नहीं कहता कि जीत के बाद वे अगले पाँच साल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। नीतीश की अनुपस्थिति में उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने घोषणा पत्र की विस्तार से

व्याख्या की। घोषणा पत्र (69 पेज) के अनुसार, बिहार में सात एक्सप्रेसवे-वे और 3600 किलोमीटर रेल मार्ग बनाए जाएंगे, जबकि पटना, दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर के हवाई अड्डों को अंतरराष्ट्रीय दर्जा दिया जाएगा। (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

अज़हरुद्दीन ने तेलंगाना में मंत्री पद की शपथ ली

भाजपा ने इस नियुक्ति का भारी विरोध किया तथा चुनावी लाभ के लिए उठाया गया कदम बताया

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अज़हरुद्दीन को शुक्रवार को तेलंगाना कैबिनेट में मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। राज्यपाल जिस्नु देव वर्मा ने शुक्रवार सुबह राजभवन में पूर्व क्रिकेटर को शपथ दिलाई।

उनकी नियुक्ति से न केवल लंबे समय से रिक्त पड़ा पद भर गया है, बल्कि कांग्रेस को कैबिनेट में पहली बार मुस्लिम प्रतिनिधित्व भी मिल गया है।

तेलंगाना में विपक्ष ने इसे एक चुनावी दांव बताया, जिसका उद्देश्य 11 नवंबर को होने वाले चुंबली हिल्स उपचुनाव में मुस्लिम वोटों को आकर्षित करना है, जहाँ अनुमानित रूप से 30 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। नियुक्ति के समय पर आपत्ति जताते हुए, भाजपा ने मुख्य चुनाव

- ज्ञातव्य है कि तेलंगाना की चुंबली हिल्स विधानसभा सीट पर 11 नवम्बर को उपचुनाव है और यहाँ 30 प्रतिशत मतदाता मुसलमान हैं।
- असल में अज़हरुद्दीन न तो विधानसभा के सदस्य हैं, न ही विधान परिषद के, ऐसे में उन्हें मंत्री बनाया जाना सवाल तो खड़े करता ही है।

अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखा और कांग्रेस पर मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ताओं ने कहा कि इस समय मंत्री पद दिया जाना, खासकर किसी ऐसे व्यक्ति को, जो हाल ही में उसी सीट से टिकट मांग चुका हो, आधिकारिक शक्ति का दुरुपयोग तथा जो मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास है। सत्तारूढ़ कांग्रेस ने इसे सामाजिक न्याय की प्रतिबद्धता को पूरा करने के रूप में सही ठहराया। तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख महेश गौड ने कहा, "कांग्रेस पार्टी

ने अल्पसंख्यकों को कैबिनेट में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का वादा किया था। पूर्व आंध्र प्रदेश सरकारों में भी हमेशा एक अल्पसंख्यक चेहरा शामिल किया जाता रहा है। हम सिर्फ एक लंबित असंतुलन को सुधार रहे हैं।" अज़हरुद्दीन अभी तक न तो विधानसभा के सदस्य हैं और न ही विधान परिषद के सदस्य, जो राज्य मंत्री बनने के लिए आवश्यक हैं। वे राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद के लिए नामित किया जा चुके हैं, लेकिन (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

'आरोपी के वकील को समन नहीं भेज सकती जांच एजेंसी'

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी जांच एजेंसी किसी वकील को उसके मुक्किलों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए समन जारी नहीं कर सकती, जब तक कि वह प्रासंगिक कानून के तहत स्पष्ट रूप से अनुमत न हो। सर्वोच्च न्यायालय

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस बड़े फैसले में कहा कि मुक्किल की जानकारी पाने के लिए उसके वकील से पूछताछ नहीं की जा सकती।

ने गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दो वरिष्ठ वकीलों को जारी समन को रद्द कर दिया और जांच एजेंसियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए, जिनके तहत वकीलों को उनके मुक्किलों को दो गई कानूनी सलाह के संबंध में पूछताछ के लिए तलब करने पर रोक लगाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कई निर्देश जारी किए ताकि जांच एजेंसियाँ अभियुक्तों को दो गई कानूनी सलाह के संबंध में वकीलों को मनमाने (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

इंग्लैंड के महाराजा चार्ल्स के भाई एन्ड्र्यू का टाइटल उससे छीना गया

अब वे अपने टाइटल में निहित अन्य सुविधाएं नहीं भोग पाएंगे। जैसे विंडसर कासल में स्थित अपना मैन्शन उन्हें खाली करना पड़ेगा

- अंजन राय -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। ब्रिटिश शाही परिवार हाल ही में एक बेहद शर्मनाक और दुखद प्रकरण से गुजर रहा है, जिसका अंत एक ऐसे शाही सदस्य के निष्कासन के रूप में हुआ, जो ब्रिटिश सिंहासन की उत्तराधिकार सूची में आठवें स्थान पर है। किंग चार्ल्स ने अपने छोटे भाई प्रिंस एंड्र्यू से उनकी शाही उपाधि छीनने की घोषणा की है। अब वे केवल मिस्टर एंड्र्यू मार्टिन्स विलिंग्स कहलाएंगे। साथ ही, उन्हें विंडसर कैसल के परिसर में स्थित उस शाही भवन से भी निकाल दिया जाएगा, जहाँ वे पिछले बीस वर्षों से रह रहे थे।

यह कहानी ऊँचे पदों पर बैठे लोगों द्वारा विशेषाधिकारों के दुरुपयोग और अनुचित आचरण की है। एंड्र्यू के इर्द-गिर्द विवाद लंबे समय से चल रहे थे और इसी कारण उन्हें शाही परिवार के

- उनको अब ब्रिटिश सरकारी खजाने से न तो वेतन, न भत्ता मिलने का अधिकार होगा।
- एन्ड्र्यू पर सैक्स दलाल जैफरी एस्टीन द्वारा उपलब्ध कराई गई बच्चियों के साथ सैक्स का आरोप है।
- रॉयल फैमिली के सदस्य एडवर्ड द सिक्सथ को एक साधारण तलाक़शुदा महिला से विवाह के आरोप में टाइटल से मुक्त किया गया था, उसी समय दो तीन अन्य रॉयल फैमिली के सदस्यों से टाइटल वापस लिया गया था, क्योंकि उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मन सेना के साथ भाग लिया था।

वरिष्ठ सदस्य के रूप में अपनी जिम्मेदारियों से पीछे हटने के लिए कहा गया था। शाही कार्यालय ने केवल इतना कहा है कि एंड्र्यू ने "अपने निर्णय में गंभीर भूलों की हैं।" यह टिप्पणी उनके उस विवादित संबंध की ओर इशारा करती है, जो उन्होंने जेफ्री एस्टीन से

रखा था, वह व्यक्ति, जिस पर किशोरियों के साथ यौन उत्पीड़न और उच्च पदों पर बैठे लोगों के लिए मानव तस्करी जैसे अपराधों के आरोप लगे थे। ब्रिटिश इतिहासकारों का कहना है कि शाही परिवार में इतनी गंभीर स्थिति पिछली बार 1936 में आई थी, जब राजा एडवर्ड अष्टम ने एक विवाहित

सामान्य महिला से विवाह करने के लिए अपना सिंहासन त्याग दिया था। इससे पहले 1917 में भी कुछ शाही सदस्यों को उनकी "प्रिंस" की उपाधि से वंचित कर दिया गया था, क्योंकि वे जर्मन सेना के साथ युद्ध में शामिल हुए थे। तथापि, कई लोगों का कहना है कि वर्षों से जिन गतिविधियों में एंड्र्यू लिप्त रहे हैं, उसके लिए सिर्फ उनकी उपाधि छीन लेना पर्याप्त नहीं है। हालांकि एंड्र्यू इन आरोपों का खंडन करते रहे हैं। उनके पतन की असली वजह वर्जीनिया जूफ्रे की आत्मकथात्मक पुस्तक का प्रकाशन माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि किशोरावस्था में एंड्र्यू ने उनका यौन शोषण किया था।

आम कानून के तहत यदि कोई साधारण नागरिक ऐसे अपराधों में दोषी पाया जाता, तो उसे सख्त सजा और जेल दोनों होती। लेकिन एंड्र्यू को फिलहाल केवल उनकी शाही पहचान से वंचित (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया, खड़गे व राहुल ने इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 31 अक्टूबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 41 वें शहादत दिवस पर शुक्रवार को उन्हें नमन करते हुए

- तीनों नेताओं ने स्व. प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समाधि स्थल "शक्ति स्थल" पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भी शिरकत की।

श्रद्धांजलि अर्पित की। खड़गे, सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी ने सुबह पूर्व प्रधानमंत्री कि समाधि शक्ति स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंच कर पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

सस्ती थोथी नारेबाजी का लगातार इस्तेमाल करके ट्रंप अधिनायकवाद की सीमा पार कर गए

यह यात्रा केवल ट्रंप ही नहीं, तुर्की के एर्दोआन, हंगरी के विक्टर ओरबान और फिलीपीन्स के रोड्रिगो दुतेर्ते इस यात्रा को पहले ही पूरी कर चुके हैं

के रूप में परिभाषित करता है। लक्ष्य, "मादक पदार्थों के तस्करी", "अवैध अप्रवासी", या "भीतरी दुश्मन", पर इन्हें इतना अस्पष्ट रखा जाता है कि व्यापक बल प्रयोग को बिना जिम्मेदारी के साथ न्यायसंगत ठहराया जा सके। ट्रंप भी एर्दोआन के लोकतांत्रिक संस्थानों को कमजोर करने के पैटर्न का पालन करते हैं। एर्दोआन ने धीरे-धीरे तुर्की की न्यायपालिका, सैन्य स्वतंत्रता और प्रेस को कमजोर किया, साथ ही वह राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने का दावा भी करते रहे। ट्रंप द्वारा अपने निर्देशों का पालन नहीं करने वाली उन अदालतों, अभियोजकों और राज्यपालों पर हमला करना इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है कि वे कार्यकारी शक्ति पर किसी भी नियंत्रण को नकारने के लिए विरोध को

- इन अधिनायकों ने यह जान लिया है कि सत्ता लगातार भय पैदा करके ही पाई जाती है।
- ट्रंप भी प्रजातंत्र के प्रतीकों का इस्तेमाल करके शासन करना चाहते हैं। पर, प्रजातंत्र की भावना व चिंतन का नितांत अभाव है।

विश्वासघात के रूप में पेश किया जाए। एर्दोआन की तरह ट्रंप भी आलोचकों को देशद्रोही व डीपस्टेट साजिश का अंग बताते हैं और असंतोष को धोखा बताते हैं। चुनावी वैधता पर उनके हमले की तुलना विक्टर ओर्बान द्वारा हंगरी की लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ हेराफेरी करने से की जा सकती है। ओर्बान ने चुनावी कानूनों को फिर से परिभाषित

किया और मीडिया पर कड़ा नियंत्रण रखा, ताकि स्थायी लाभ सुनिश्चित किया जा सके और लोकतंत्र का दिखावा किया, पर उसकी वास्तविकता को खत्म कर दिया। ट्रंप का 2020 के चुनाव परिणामों को स्वीकार करने से इनकार और उनका बार-बार चोट चुराने का दावा करना यह दिखाता है, उनके दृष्टिकोण में, लोकतंत्र केवल तब तक वैध है जब वह जीतते हैं।

फिर बारी आती है, स्वतंत्र प्रेस पर हमला करने की। जो हर नानाशाह की पहचान है। एर्दोआन, दुतेर्ते और ओर्बान ने स्वतंत्र पत्रकारों को भ्रष्ट या शत्रुतापूर्ण शक्तियों द्वारा नियंत्रित बताया। ट्रंप का "फेक न्यूज़ मीडिया" के खिलाफ लंबा अभियान, जिसकी परिणती सैनिकों से पत्रकारों का मजाक उड़ाने की अपील करने पर हुई, उसी परंपरा का हिस्सा है। जब नागरिक स्वतंत्र रिपोर्टिंग पर अविश्वास करने लगते हैं तो तथ्य की जगह दुष्प्रचार ले लेता है और नेता ही सत्य का एकमात्र निर्णायक बन जाता है।

एक और प्रमुख विशेषता है, व्यक्तिगत पंथ (कल्ट ऑफ पर्सनैलिटी) है, अर्थात् नेता अपनी छवि एर्दोआन ने कथित तख्तापलट करने (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

कि लोग उसे महानायक मानते हैं। इतिहास में पुतिन से लेकर मुसोलिनी तक, तानाशाहों ने अपनी छवि के मिथक के आधार पर अपनी ताकत बढ़ाई। मानो वे अकेला उद्धारक हैं, जो राष्ट्र की किस्मत का प्रतीक हैं। ट्रंप भी खुद को ऐसे बताते हैं मानो सिर्फ वे ही "असली अमेरिकियों" की रक्षा करेंगे, ईसाई धर्म को बचाने और व्यवस्था बहाल करने में एकमात्र सक्षम व्यक्ति हैं। उनका आंदोलन विचारों या संस्थाओं के बजाय, केवल उनके प्रति व्यक्तिगत निष्ठा के चारों ओर घूमता है। तानाशाह "भीतरी दुश्मन" की कहानी भी गढ़ते हैं, ताकि संकट का खतरा बताकर दमन को सही ठहरा सकें। एर्दोआन ने कथित तख्तापलट करने (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)

'मुख्य सचिव व्यक्तिशः पेश हों'

नयी दिल्ली, 31 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को आबारा कुर्तो के प्रबंधन से संबंधित मामले में राज्यो एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को वस्तुअल रूप से पेश होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और निर्देश दिया कि उन्हें न्यायालय के समक्ष व्यक्तिगत रूप से

- सुप्रीम कोर्ट ने स्ट्रीट डॉक्स के मामले में मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आग्रह को अस्वीकार कर दिया।

पेश होना पड़ेगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अपने निर्देशों का बार-बार पालन नहीं करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और मुख्य सचिवों को शारीरिक रूप से उपस्थित होने से छूट देने के सॉलिसिटर जनरल (श्रेष्ठ अंतिम पृष्ठ पर)



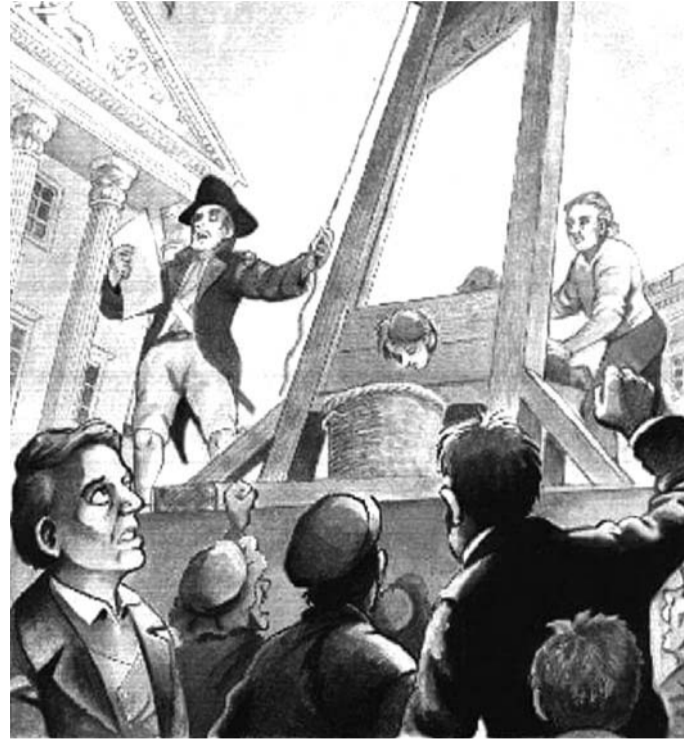
Celebrating World Vegan Day

World Vegan Day, observed every November 1, is a global celebration of plant-based living and compassionate choices. The day honours the benefits of a vegan lifestyle for health, the environment, and animal welfare. From nutritious plant-based meals to innovative cruelty-free products, vegans worldwide showcase how ethical eating can be both delicious and sustainable. The day also sparks awareness about reducing carbon footprints, conserving natural resources, and promoting animal rights. Events, workshops, and social media campaigns inspire people to explore plant-based diets, encouraging a shift towards mindful consumption. World Vegan Day is a reminder that small daily choices can create a healthier, kinder world.

#LESSONS

The Logical Loose Sometimes

The Fatal Logic of the Physicist: A Cautionary Tale of Last Words



Throughout history, stories of those facing death have often focused on their final words, moments of wit, wisdom, or reflection before the end. Among these tales, one darkly humorous story stands out: the account of three condemned men, a clergyman, a lawyer, and a physicist, and how logic, ironically, led to only one of them being executed.

The Setup

In a time and place where execution by hanging was a public and legal affair, three men were sentenced to death: a man of faith, a man of law, and a man of science.

Their fates were to be sealed by the pull of a lever, releasing the trapdoor beneath them. But fate, or perhaps faulty engineering, had other plans.

The Clergyman's Escape: Faith in Providence

The clergyman was the first to face the gallows. With solemnity and prayer, he stood on the trapdoor as the noose tightened around his neck. The executioner pulled the lever, and nothing happened. The trapdoor refused to open. Gasps echoed through the crowd. The law was clear: if an execution fails, it is to be taken as an act of divine intervention. The condemned is immediately granted a pardon.

The clergyman looked to the sky and said, "It was God's will." He was released.

The Lawyer's Escape: Faith in Law

Next came the lawyer. Sharp-eyed and confident, he took his place on the trapdoor. Once again, the executioner pulled the lever, and once again, the mechanism failed. Without hesitation, the lawyer invoked the law: "You are legally obligated to release me now." He, too, walked away free.

release it, the trapdoor should work."

The Physicist's Demise: Faith in Logic

Finally, the physicist ascended the platform. Calm and analytical, he surveyed the apparatus before stepping into place. As the executioner prepared to pull the lever, the physicist paused. Ever the man of science, he observed, "I think I see the problem. The cable is jammed on that pulley. If you

release it, the trapdoor should work."

The Irony of Rationality

This story, though fictional and told with dark humor, carries a deeper message. In a moment where silence would have meant survival, the physicist chose truth over instinct. Logic over self-

preservation. In doing so, he sealed his fate.

The Takeaway

We often celebrate logic, reason, and the pursuit of truth. But this tale reminds us that context matters. Even the purest logic can have unintended

consequences when applied without regard to the situation. Sometimes, the smartest person in the room is the one who says nothing at all.

Waterhouse's interpretation is characteristically ambiguous, perhaps linked only in terms of its generic medievalism. His lovely protagonist leans forward to smell a rose. Her half-closed eyes suggest a degree of elective power, as if she hopes that the flower's scent will body forth some desired secret. Though she may still represent the object of another's desire, we are also invited to imagine her psychology, and to suppose a hidden narrative of thwarted or aspiring love.



THE SOUL OF THE ROSE



Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

The 'Soul of the Rose' was painted when Waterhouse was in his creative maturity; an artist established with patrons and public alike, who pursued his unique vision whilst adapting to modern

precepts regarding style. Archetypally romantic, it is nevertheless executed with fluidity and verve, and leaves the crystalline imagery of the past century behind.

Waterhouse's title is loosely derived from Chaucer's dream poem, *The Romance of the Rose*, itself adapted from the 13th Century French romance: *Roman de la Rose* by Guillaume de Lorris. The narrator embarks on a pilgrimage with the god of love, who leads him to a rose symbolising perfect love. The poem had been treated by Waterhouse's early mentor, Sir Edward Burne-Jones, in preparation for a tapestry. He depicts the rose personified as a young girl in an oil entitled *The Heart of the Rose*, 1889. She embodies the beauty of

the sentiment represented, and becomes a love object for the young poet.

Waterhouse's interpretation is characteristically ambiguous, perhaps linked only in terms of its generic medievalism. His lovely protagonist leans forward to smell a rose. Her half-closed eyes suggest a degree of elective power, as if she hopes that the flower's scent will body forth some desired secret. Though she may still represent the object of another's desire, we are also invited to imagine her psychology, and to suppose a hidden narrative of thwarted or aspiring love. She is a participant rather than a passive symbol.

Waterhouse's setting appears to be a walled Tuscan garden, evocative of paintings by 14th Century artists such as Fra Angelico. Both landscape and cultural heritage would have been familiar to Waterhouse who was born in Rome and returned to Italy during his student years. The paradox of the cloistered garden, something abundant yet enclosed, suits Waterhouse's theme well. Just as the rose's scent acts as a heady agent, emblematic of love's intensity, the limits of the garden reflect the concentration of experience implied by the story.

A study for *The Soul of the Rose* bears little resemblance to the finished picture, showing a dark-haired girl, plainly dressed, leaning



up to smell the flower. In executing the present oil, Waterhouse wrought his conception into something truly majestic; the model's red hair, brocade gown, and comparative maturity (she is a young woman, not a girl) associate her more naturally with the courtly love tradition progenitor of both Chaucer's poem and its French source.

The picture belongs to a series of single figure images rendered in the early 1900s, featuring dark or red-haired models. Scarce documenta-

#WATERHOUSE

Rose Sketchley developed a redemptive interpretation of Waterhouse's arcadian imagery; seeing 'the analogy of the unfolding of the rose through earth, as the soul through suffering.' Her focus on the educative power of experience is essentially a reworking of the age-old theme of knowledge gained at the expense of innocence, couched in metaphysical terms in keeping with the 20th century obsession with individual psychology.

interesting to consider this in relation to George Frederic Watts' portrait of his young bride, Ellen Terry; *Choosing* (1864). The picture, a Royal Academy exhibit, would have been familiar to Waterhouse as it belonged to his great patron, the financier Alexander Henderson, later the first Baron Faringdon. Faringdon first took Waterhouse under his wing in 1901, and introduced him to his younger brothers: Mr. H.W. Henderson and Mr. (later Sir) Brodie Henderson. Between them, they purchased more than 50

paintings. *The Soul of the Rose* was in the collection of Sir Brodie Henderson.

The Faringdons' patronage was well-timed. In the early 1900s, change was afoot in the arts. Waterhouse's romantic visions seemed overly idealistic to strident modernists. However, he inspired some loyal adherents. A.L. Baldry, in his 1911 piece for the *Studio*, wrote: "The modern feeling is evident enough in his work, but it is an intellectual modernity that he professes and one that he applies in a manner markedly individual." Baldry was presumably referring to Waterhouse's pictorial alphabet, which could never be mistaken for anyone else's. Such individuality equalled modernity. Rose Sketchley, in her 1909 piece for the *Art Annual*, developed a redemptive interpretation of Waterhouse's arcadian imagery; seeing 'the analogy of the unfolding of the rose through earth, as the soul through suffering.' Her focus on the educative power of experience is essentially a reworking of the age-old theme of knowledge gained at the expense of innocence, couched in metaphysical terms in keeping with the 20th century obsession with individual psychology.

It is perhaps wrong to overcomplicate Waterhouse's thematic association of women with flowers. From images of metamorphosis

(see *Apollo and Daphne*, 1906) to the 'Persephone' series (see *The Song of Springtime*, 1913), Waterhouse's main thesis linked women and nature through the concept of regeneration. If his theme was long-established, however, his technique was modern, and had evolved considerably over the years. Early pictures such as *Saint Eulalia* (1885) are glacial, polished, very much in the manner of Sir Lawrence Alma-Tadema. In contrast, viewed from a stylistic point of view, the artist's late work relates directly to the French Barbizon school and its British counterparts. Impressionistic in feel, it exploits the clash of colour and texture apparent when materials are viewed en plein air.

Indeed, *The Soul of the Rose* shows Waterhouse balancing detail and abstraction, precision and softness, with consummate skill. The background building, for example, is realised with little tonal depth, to render it subsidiary to the foreground figure. Where Waterhouse wishes our eye to focus, for example on the model's hands, he works with deft exactitude. It is his sensitive, instinctive, handling of his medium, coupled with the luminosity of his romantic heroines, which ensures the essential timelessness of Waterhouse's art.

rajeshsharma1049@gmail.com

#STRAW

Don't Burn It, Use It!

Chinese Farmers turn Waste Straw into Millions

Across China's vast farmlands, millions of tons of straw are left behind each year after the harvest of rice, wheat, and corn. Traditionally, this agricultural residue was seen as a nuisance, difficult to dispose of and often burned in open fields, causing air pollution and health hazards. However, in recent years, Chinese farmers and entrepreneurs have begun transforming this once-worthless waste into a source of wealth. Through innovation, government support, and sustainable practices, waste straw has become an engine of rural development and environmental improvement.



The Problem of Waste Straw

For decades, Chinese farmers faced a major challenge: what to do with leftover crop straw. When left to rot, it decomposed slowly and interfered with planting the next crop. Burning it was a cheap and quick solution but resulted in heavy smog, greenhouse gas emis-

sions, and widespread health problems. Recognizing the environmental impact, the Chinese government began restricting open burning and pushing farmers to find greener, more profitable uses for straw. This shift sparked a wave of innovation across rural China.

Turning Straw Into Opportunity

Today, waste straw is no longer seen as waste, it's a valuable resource. Farmers, local cooperatives, and private companies are repurposing straw in multiple industries, creating income streams worth millions of yuan.

1. Bioenergy and Biogas Production

In provinces such as Heilongjiang and Henan, large-scale biogas plants now process straw along with animal manure and other organic materials. The anaerobic digestion process produces methane gas, which is used for heating, electricity, and even vehicle

fuel. Each plant can generate millions of cubic meters of biogas annually, providing clean energy while earning profits of up to 15-18 million yuan a year. The leftover digestate becomes nutrient-rich fertilizer, creating a closed-loop agricultural system.

2. Biomass Fuel and Pellets

Another booming industry is biomass fuel. Straw is dried, compressed, and shaped into pellets that can replace coal in boilers, power plants, and household heating. These pellets burn more cleanly than fossil fuels and reduce carbon

emissions. Factories producing biomass pellets have sprung up in provinces like Guizhou and Shandong, with local farmers selling straw for 350-600 yuan per ton. This simple trade has turned waste into steady income.

3. Animal Feed and Organic Fertilizer

In many regions, straw is fermented or treated with enzymes to create livestock feed, reducing feed costs for farmers. It is also composted into organic fertilizer, enriching the soil and cut-

ting reliance on chemical alternatives. This eco-friendly use not only increases farmers' profits but also supports China's broader goals of sustainable agriculture.

4. Straw Crafts and Industrial Materials

Beyond energy and fertilizers, straw has found its way into manufacturing and arts. It is now used to make paper, packaging materials, and even eco-friendly home products.

Some rural communities have developed small industries producing straw handicrafts and biochar, providing jobs for local residents and boosting village economies.

Economic and Environmental Benefits

The economic impact of straw utilization is remarkable. In places like Jiangsu and Zhejiang provinces, local straw-based industries generate annual revenues exceeding 10 million yuan. Farmers who once struggled to dispose of straw now sell it to processing plants or cooperatives, creating a steady source of income. Environmentally, the benefits

are equally impressive. Reduced open burning means cleaner air and fewer greenhouse gas emissions. Returning processed straw or biochar to fields improves soil health, increases fertility, and promotes sustainable farming practices. These combined efforts contribute to China's transition towards a circular, low-carbon economy.

Government Support and Local Innovation

Government policy has played a crucial role in the success of straw utilization. Subsidies, bans on straw burning, and incentives for renewable energy projects have encouraged investment in processing facilities.

Local governments have also organized straw collection and storage centers to make transportation and recycling more efficient. Many villages have appointed 'straw agents' to coordinate collection, ensuring that farmers can sell their straw easily and profitably.

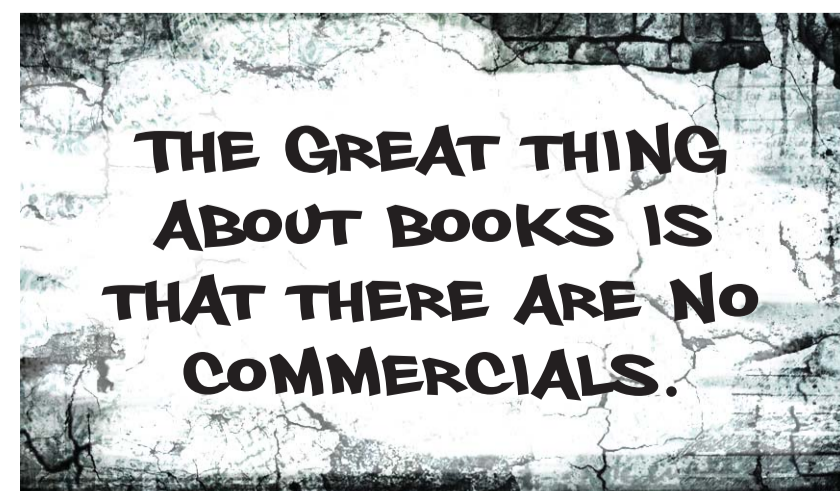
Challenges Ahead

Despite the progress, challenges remain. Straw is bulky and costly to transport, and processing plants often face high investment and maintenance costs. Seasonal peaks in straw availability can overwhelm local storage and logistics systems. Moreover, consistent government support and technological innovation are needed to ensure that the industry continues to grow sustainably.

The transformation of waste straw into valuable products stands as a model of sustainable innovation in China's agricultural sector. What was once an environmental burden has become a powerful driver of rural prosperity.

By turning waste into wealth, Chinese farmers are not only earning millions but also contributing to cleaner air, healthier soil, and a more sustainable future. Their success story demonstrates how environmental responsibility and economic opportunity can go hand in hand, proving that even the humblest farm waste can be the foundation of green growth.

THE WALL

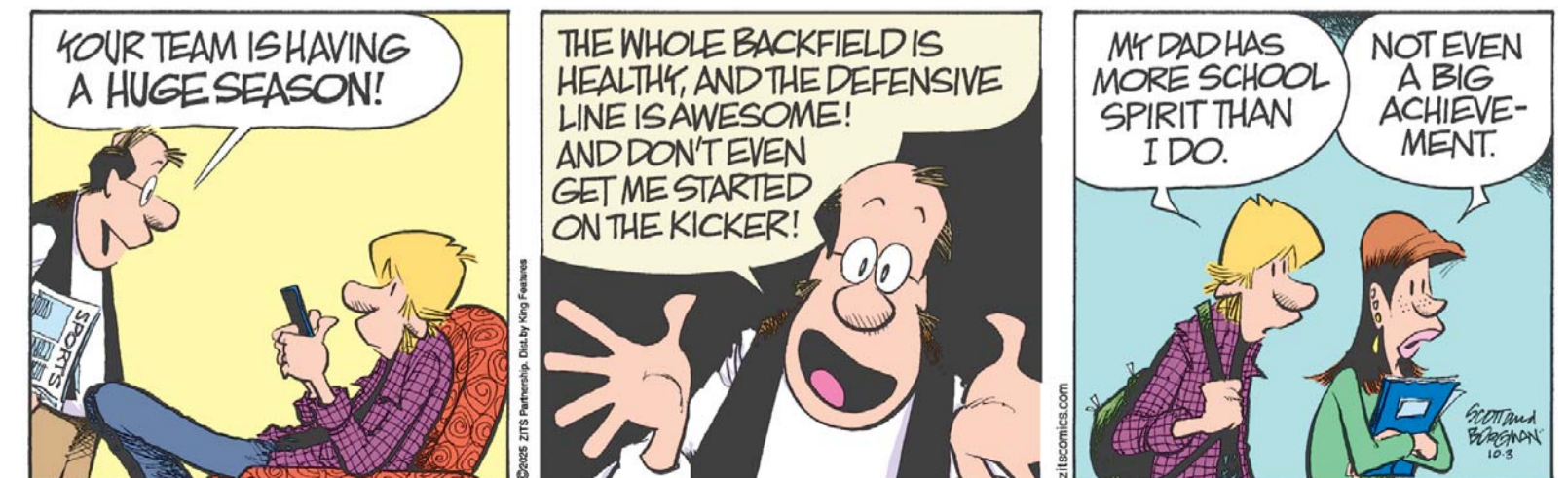


BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman



हथियार से युवक की हत्या का प्रयास करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तीनों आरोपियों को महिलाओं की ड्रेस पहने हुए गिरफ्तार किया

पाटन, (निसं)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय, जयपुर के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीकर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। अवैध हथियार से फायर कर हत्या का प्रयास करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के निर्देश पुलिस अधीक्षक सीकर प्रवीण नायक नूनावत द्वारा दिए गए थे, जिसके पश्चात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमकाथाना गिरधारी लाल शर्मा के निकटतम सुपरविजन और वृत्ताधिकारी नीमकाथाना अनुज डाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

घटना 23 अक्टूबर डालगांव की है। परिवारी विजयदीप मीणा निवासी डालगांव रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने साथियों के साथ गांव के शनि महाराज मंदिर के पास बैठा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार कुछ युवकों ने आकर उनके बाईं सदीप मीणा पर गोली चला दी। गंभीर रूप से घायल सदीप को अस्पताल में भर्ती



हत्या का प्रयास करने के आरोपियों को पुलिस पकड़कर ले गई।

कराया गया जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए रिपोर्ट पर थाना डालगांव में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए टीम का

गठन किया गया तथा सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय आसूचना के आधार पर पुलिस द्वारा विशेष अनुसंधान किया गया। टीम ने त्वरित

कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को डोकन के पास काला कोटा से जीलो जाने वाले रास्ते पर तीनों आरोपियों को महिलाओं की ड्रेस पहने हुए

गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में दिनेश गुर्जर उर्फ टाइगर पुत्र धर्मपाल गुर्जर निवासी चबूतरा वाली ढाणी तन गांववाली, थाना डालगांव जिला सीकर, सचिन गुर्जर पुत्र चन्द्रनीराम गुर्जर निवासी ढाणी पालतीवाला तन दयाल का नांगल, थाना डालगांव, जिला सीकर, विकास गुर्जर उर्फ विक्की पुत्र रामकुमार गुर्जर निवासी लादी का बास, थाना सदर नीमकाथाना जिला सीकर है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी विकास गुर्जर उर्फ विक्की के खिलाफ पहले से ही कई संगीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, लूटपाट, हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट के मुकदमे शामिल हैं। नीमकाथाना पुलिस ने सूबुबुध, तकनीकी साक्ष्य और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी राहत दी है। एसीपी सीकर प्रवीण नायक नूनावत ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

दुकान में चोरी करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। रात्रि में दुकान का शटर तोड़ चोरी करने वाला वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सीकर प्रवीण नायक नूनावत के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नीमकाथाना गिरधारी लाल शर्मा, पुलिस उर्फ अधीक्षक, वृत्त नीमकाथाना अनुज डाल, के सुपरविजन में थाना डालगांव पुलिस टीम ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना डालगांव के थानाधिकारी राजवीर सिंह मय पुलिस टीम के 30 अक्टूबर को कार्रवाई करते हुए दुकान का शटर तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना 28 मई 2025 को परिवारी गोपाल गोयल निवासी डालगांव द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उनकी दुकान गोपाल किराणा स्टोर (रेलवे स्टेशन से डालगांव रोड पर स्थित) से अज्ञात चोर द्वारा रात्रि में ताला तोड़कर



डालगांव थाना पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

हजारों की नकदी व सामान चोरी कर ले गया। इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर सचिन ब्रह्मप्रकाश द्वारा अनुसंधान प्रारंभ किया गया। विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य एवं आसूचना के आधार पर

संदिग्धों से पूछताछ कर घटना का खुलासा किया। पुलिस ने मुख्य आरोपी धर्मेन्द्र पुत्र उमराव धानकानिवासी डालगांव, थाना डालगांव, जिला सीकर को गिरफ्तार किया है। आरोपी से आगे की पूछताछ जारी है।

मांगों को लेकर छात्रों का प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। कृष्णा नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने शुक्रवार को उग्र प्रदर्शन किया। विभिन्न मांगों को लेकर पिछले पांच दिनों से आक्रोशित विद्यार्थी सड़क पर उतर आए छात्रों का कहना है कि कॉलेज प्रशासन को कई बार समस्याओं से अवागत करवाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। नाराज छात्रों ने कॉलेज

बाहर तालाबंदी कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान को उग्र प्रदर्शन किया। विभिन्न मांगों को लेकर पिछले पांच दिनों से आक्रोशित विद्यार्थी सड़क पर उतर आए छात्रों का कहना है कि कॉलेज प्रशासन को कई बार समस्याओं से अवागत करवाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। नाराज छात्रों ने कॉलेज

नवजात शिशु को जन्म के तुरंत बाद झाड़ियों में फेंका



पुलिस व ग्रामीणों ने नवजात बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया।

भीलवाड़ा, (निसं)। एक और कृत्यगी मां ने ममता को शर्मसार किया है। ये मामला भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुर उपखंड के पास भोजपुर गांव के समीप दौलतपुरा का है, जहां शुक्रवार सुबह एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। यहां एक नवजात शिशु को जन्म के तुरंत बाद उसकी मां ने कांटों की झाड़ियों में फेंक दिया और वहां से चली गई। सुबह ग्रामीण जब रास्ते से गुजर रहे थे तो उन्होंने नवजात बच्चे के रोने की आवाज सुनी। आवाज सुनकर लोगों ने देखा कि एक नवजात बालक कांटों में बिलख रहा है। लोगों

ने तुरंत इसकी सूचना गुलाबपुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एसएसआई महावीर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बालक को कांटों से निकालकर गुलाबपुर चिकित्सालय पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सक डॉ. डीडी गुला और उनकी टीम ने बच्चे का प्रारंभिक उपचार किया। बाद में उसकी हालत को देखते हुए बालक को जिला मुख्यालय के चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। फिलहाल बच्चे का उपचार जारी है और गुलाबपुर पुलिस उस कुमाता की तलाश में जुटी है।

डेनिस बावरिया हत्याकांड : बदमाशों को भगाने और छुपाने के मददगारों को पकड़ा

झुंझुनू, (निसं)। चुरू रोड पर दिवाली के पहले दिन रात को धनूरी थाने के हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया उर्फ नरेश कुमार का अपहरण कर हत्या के मामले में फरार बदमाशों को भगाने और छुपाने के साथ-साथ फरारी काटने में मदद करने वाले लोगों पर भी पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने झुंझुनू सदर थाना इलाके के बिशनपुरा ब्राह्मणों

■ चार दिन तक चाय वाले छोटे ने जयपुर में हिस्ट्रीशीटर मर्दिया को छुपाया

की ढाणी से 36 वर्षीय योगेंद्र उर्फ विक्की पुत्र प्रताप सिंह कुलहर को तथा जयपुर पत्रकार कॉलोनी इलाके से मलसीसर थाना इलाके के ककड़ेऊ कलां गांव के 37 वर्षीय संदीप चौधरी उर्फ छोटे पुत्र जसवंत सिंह सिलाचय को गिरफ्तार किया है। पुलिस लगातार आरोपियों के पीछे है।

अब तक पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ तथा पुलिस की जांच में सामने आया कि वारदात के वाले दिन ही उसी रात को करीब बारह से साढ़े बारह बजे के बीच मंदीप उर्फ मर्दिया, हितेश मील, प्रशांत उर्फ पोखर तथा अजय जाट



पुलिस ने बदमाशों की मदद करने वालों को गिरफ्तार किया।

बिशनपुरा गांव पहुंचे, जहां पर उन्होंने वारदात में काम ली गई कैम्पर गाड़ी योगेंद्र उर्फ विक्की को दोस्ती का हवाला देते हुए मदद मांगी। योगेंद्र उर्फ विक्की ने भी बदमाशों की मदद करते हुए वारदात में काम ली गई कैम्पर गाड़ी खुद ले ली और अपनी कार आरोपियों को भगाने में मदद करने के लिए दे दी। इसी कार से आरोपी जयपुर भाग निकले। इसके बाद मंदीप उर्फ मर्दिया, हितेश

मील, प्रशांत उर्फ पोखर तथा अजय जाट के अलावा दीपक मालसरिया भी जयपुर पहुंचे, जहां पर मर्दिया ने अपने पुराने साथी मलसीसर थाना इलाके के ककड़ेऊ कलां निवासी संदीप चौधरी उर्फ छोटे पुत्र जसवंत सिंह सिलाचय से मदद मांगी। संदीप चौधरी उर्फ छोटे जयपुर की पत्रकार कॉलोनी में ही चाय-पानी की दुकान चलाता है, जो मर्दिया का पुराना साथी रहा है। कई बार उसने

मर्दिया की फरारी कटवाने में मदद की है। पुलिस की जानकारी में सामने आया कि चार दिनों तक, 20 से 23 अक्टूबर तक ये सभी बदमाश जयपुर में छुपे हुए थे। उन्हें छुपाने के साथ-साथ इनके खाने-पीने की सारी व्यवस्था संदीप चौधरी उर्फ छोटे ने की। लेकिन जब पुलिस बदमाशों के पीछे पीछे जयपुर में संदीप चौधरी उर्फ छोटे तक पहुंची। उससे पहले ही सभी वहां से भी फरार हो गए। जिन्हें जयपुर से भगाने में भी संदीप चौधरी उर्फ छोटे ने मदद की। पुलिस ने दोनों मददगारों को गिरफ्तार कर लिया है। अब तक इस मामले में पुलिस कुल नौ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामले में नामजद आरोपियों की संख्या भी 14 से बढ़कर 16 हो गई है। पुलिस की गिरफ्तार से अभी भी सात नामजद आरोपी दूर हैं। इनमें छह पर पुलिस ने ईनाम घोषित कर रखा है। यही नहीं मामले के मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर मर्दिया, दीपक मालसरिया, हितेश मील और प्रशांत उर्फ पोखर भी पुलिस पकड़ से दूर है। पुलिस का केवल बदमाशों के, बल्कि उनको मदद करने वालों की भी धरपकड़ कर रही है। इधर, एसीपी बुजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि इस मामले में किसी भी तरीके से लिफ्त किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा।

सड़क हादसे में एक जने की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। सपोटरा थाना क्षेत्र में देर शाम सड़क हादसे में एक युवक नरेश खां (35) की मौत हो गई। यह घटना सेमरदा और गागडडा गांव के बीच हुई, जहां एक स्विफ्ट डिजायर कार और कमांडर जीप में आमने-सामने की टक्कर हो गई। मृतक नरेश खां पुत्र गणेश खां पापटा गद्दी का निवासी था और पेशे से ड्राइवर था। वह कमांडर जीप चला रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि जीप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और नरेश खां गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने घायल नरेश खां को तुरंत गंगापुर सिटी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को गंगापुर सिटी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। शुक्रवार पोस्टमॉर्टम कराया।

मादक पदार्थ तस्कर को सजा सुनाई

करौली, (निसं)। न्यायालय विशिष्ट न्यायाधीश स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम प्रकरण करौली ने वर्ष 2021 के स्मैक जन्ती के मामले में अपना निर्णय सुनाया। विशिष्ट न्यायाधीश स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम प्रकरण करौली माधवी दिनकर ने आरोपी प्रदीप पुत्र हल्के निवासी राजौर थाना कैलादेवी को दोषी मानते हुए 5 वर्ष के कठोर कारावास एवं 50 हजार रुपए के

■ 5 वर्ष के कठोर कारावास एवं 50 हजार के अर्थदंड से दंडित किया

अर्थदंड से आरोपी को दंडित किया है। लोक अभियोजक एवं राजकीय अधिवक्ता रीतेश सारस्वत ने बताया कि 17 फरवरी 2021 को थाना सदर करौली के थानाधिकारी अमित कुमार

ने प्रदीप पुत्र हल्के निवासी राजौर थाना कैलादेवी को ग्राम करसाई के नसीर बाबा के मंदिर के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6 ग्राम स्मैक जन्त की थी। न्यायालय में प्रकरण पर विचरण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 11 गवाहों और 34 दस्तावेजी साक्ष्य को पेश किया गया था, जिस के आधार पर न्यायालय ने आरोपी प्रदीप निवासी राजौर को दोषी मानते हुए दंडित किया है।

ट्रेलर ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, दो लोग गंभीर घायल

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के बावड़ी के पास शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने ई-रिक्शा को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा चालक गोवर्धन लाल बलाई (55) निवासी भाबर व सड़क पार कर रहा एक युवक विजेंद्र बलाई पुत्र रमेश चंद बलाई निवासी अस्थल गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों गंभीर घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पावटा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉ. रवि बंसल द्वारा उनका प्रारंभिक उपचार कर गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने ट्रेलर व चालक की तलाश शुरू कर दी



घायल का अस्पताल में चिकित्सकों ने उपचार किया।

है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बावड़ी मंदिर के पास दिवली की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। वहीं एक युवक सड़क

पार कर रहा था तो उसे भी ट्रेलर ने चपेट में लिया। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और हादसे के लिए जिम्मेदार चालक को तलाश जारी है।

सीकर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर “रन फॉर यूनिटी मार्च” का आयोजन

सीकर, (निसं)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में ‘सरदार 150 समारोह’ के तहत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं जिला प्रशासन के सहयोग से शुक्रवार को सीकर में रन फॉर यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया, जिसे नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रां ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यूनिटी मार्च तात्या टोपे सर्कल से प्रारंभ होकर जाट बाजार, घंटाघर होते हुए रामलीला मैदान में सम्पन्न हुई। यूनिटी मार्च में देशभक्ति गीतों के साथ सरदार पटेल के योगदान को याद किया गया।



यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रां ने उपस्थित सभी को आत्मनिर्भर भारत का संकल्प, एकता दिवस तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

विद्यार्थियों तथा शहरवासियों, जनप्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भागीदारी निभाई। जिला स्तरीय पदयात्रा के तहत ही रामलीला मैदान में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रां ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आजादी के बाद देश के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद

किया। उन्होंने कहा कि पटेल ने उस समय देश की लगभग 565 रिवास्तों का एकीकरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे युवा पुरातन इतिहास को जानें तथा देश की आजादी में योगदान देने वाले क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति श्रद्धा रखें। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में 13-14 वर्ष के बालक-बालिकाओं ने भी प्राण न्यौछावर कर योगदान दिया। इस दौरान उन्होंने सबसे

युवा क्रांतिकारी खुदीराम बोस, चापेकर बंधुओं तथा आजाद हिंद फौज के सेना अभ्यक्ष सुभाष चंद्र बोस के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में गौरवशाली पुरातन संस्कृति को शिक्षा का हिस्सा बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हम सभी सक्रिय सहयोग दें, ताकि भारत सबसे सशक्त, सबल एवं

■ “रन फॉर यूनिटी मार्च” यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रां ने हरी झण्डी दिखा रवाना किया

सामाजिक समरसता वाला राष्ट्र बने। जिला युवा अधिकारी मोहित कुमार ने ‘सरदार 150’ के तहत आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में ‘सरदार 150 समारोह’ का आयोजन 6 अक्टूबर से 6 दिसम्बर तक ‘एकता मार्च अभियान’ के रूप में किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी को आत्मनिर्भर भारत का संकल्प, एकता दिवस तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई गई। जिले के युवाओं के लिए एडीपीसी समसा राकेश कुमार लाटा, सीओ स्काउट बंसत लाटा, सहायक जनसंपर्क अधिकारी राकेश कुमार ढाका, बीएल मील, रघुवीर मील, जिला खेल अधिकारी प्रकाश सिंह गोदार, प्रदीप शर्मा, डॉ. अमरचंद्र कुमावत सहित गुजरात में स्थापित स्टैट्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण में योगदान देने वाले जिले के आदित्य चौधरी, महेंद्र खोवाल एवं अनिश चौहान को सम्मानित किया गया।

सीसारमा नदी के चलने से स्वरूपसागर के गेट खोले

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर में शुक्रवार को कुछ देर सूख की रोशनी जमों पर पड़ी और बारिश का दौर थम गया। गुरुवार को दिनभर व रात को हुई बारिश से सीसारमा नदी के एक बार फिर चलने से स्वरूपसागर के गेट खोलने पड़े। स्वरूपसागर के ओवरफ्लो होने से इसकी चादर तो चल रही थी लेकिन गुरुवार को आवक को देखते हुए इसके दो गेट चार-चार इंच खोले गए। इधर, अभी दो दिन और मौसम ऐसा ही बना रहा।

उदयपुर शहर में बारिश थम गई लेकिन बुंध का असर मौसम में दिखाई दिया। लगातार बारिश के चलते करीब गुजरात में स्थापित स्टैट्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण में योगदान देने वाले जिले के आदित्य चौधरी, महेंद्र खोवाल एवं अनिश चौहान को सम्मानित किया गया।

साक्षात्कार कार्यक्रम जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा शुक्रवार को विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु साक्षात्कार कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत 17 से 25 नवंबर तक सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) भर्ती-2023 अंतर्गत भूगोल विषय के पदों हेतु साक्षात्कार का तृतीय चरण एवं सहायक कृषि अधिकारी (कृषि विभाग) भर्ती-2018 के पदों के लिए द्वितीय चरण के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। उक्त साक्षात्कारों में सम्मिलित होने वाले ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पूर्व में विस्तृत आवेदन पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, उन्हें विस्तृत आवेदन पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर और उसे भरकर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने होंगे।

